

लक्ज़मबर्ग

देखने और करने के लिए सबसे अच्छी चीजें



स्वचालित रूप से अनूदित

© backpackandsnorkel.com

Table of Contents

1. आपको लक्ज़मबर्ग क्यों जाना चाहिए?	4
2.1 अस्वीकरण	5
2.2 कॉपीराइट	6
3. लक्ज़मबर्ग के बारे में सामान्य जानकारी	7
3.1 लक्ज़मबर्ग जाने के लिए आपको कितना समय चाहिए?	7
3.2 लक्ज़मबर्ग जाने का सबसे अच्छा समय क्या है?	8
3.3 लक्ज़मबर्ग के इतिहास की मुख्य बातें	9
3.4 लक्ज़मबर्ग में कार चलाना	12
3.5 लक्ज़मबर्ग में सार्वजनिक परिवहन	12
3.6 लक्ज़मबर्ग में धन और क्रेडिट कार्ड	12
3.7 लक्ज़मबर्ग में नल का पानी	12
3.8 टेलीफोन	12
3.9 लक्ज़मबर्ग किस समय क्षेत्र में है	13
3.10 लक्ज़मबर्ग के लिए वीज़ा आवश्यकताएँ	13
3.11 लक्ज़मबर्ग में बोली जाने वाली भाषाएँ	13
4. आपकी लक्ज़मबर्ग यात्रा के लिए तीन दिवसीय यात्रा कार्यक्रम	14
4.1 लक्ज़मबर्ग शहर में विले-हाउते की स्व-निर्देशित पैदल यात्रा	15
4.1.1 ग्रांड-रू	17
4.1.2 डिक्स और लेंटेज़ स्मारक	18
4.1.3 प्लेस डी'आर्म्स	19
4.1.4 गिलाउम II रखें	21
4.1.5 ग्रैंड ड्यूक विलियम द्वितीय प्रतिमा	22
4.1.6 लक्ज़मबर्ग सिटी हॉल / होटल डे विले	23
4.1.7 गेल फ्रा - कॉन्स्टिट्यूशन स्कायर पर स्मृति स्मारक	24
4.1.8 पेत्रुसे कैसमेट्स	26
4.1.9 पोंट एडोल्फ ब्रिज	29
4.1.10 बुलेवार्ड फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट	30
4.1.11 कैथेड्रल नोट्रे-डेम	31
4.1.12 चार्लोट की मूर्ति	33
4.1.13 पैलैस ग्रैंड-डुकल	34

4.2 लकज़मबर्ग शहर में विले हाउते से फोर्ट थुंगेन तक स्व-निर्देशित पैदल यात्रा.....	36
4.2.1 मुसी नेशनल डी'हिस्टोर एट डी'आर्ट लकज़मबर्ग	37
4.2.2 सेंट-मिशेल चर्च	41
4.2.3 पोंट डु चैटो ब्रिज / कैस्टेल ब्रिज	42
4.2.4 बॉक कैसिमेट्स	44
4.2.5 पोर्ट डेस ट्रोइस टूर्स / द थ्री टावर्स	46
4.2.6 स्पैनिश बुर्ज / स्पैनिश वॉचटावर	47
4.2.7 चेमिन डे ला कॉर्निश	48
4.2.8 ग्रुंड वियाडुक फेरोविऐरे / वियाडुक डे पफेंथल की ओर	49
4.2.9 ला हील आटा स्टोर हाउस.....	50
4.2.10 फोर्ट ओबरग्रुनेवाल्ड तक पैदल यात्रा	51
4.2.11 किला थुंगेन	53
4.2.12 इन्फिनिटी शॉपिंग सेंटर / प्लेस डे विलेज किर्चबर्ग	55
4.2.13 पार्स फोंडेशन पेसकाटोर	56
4.2.14 पफेंथल पैनोरमिक लिफ्ट.....	57
4.3 लकज़मबर्ग में वियानडेन कैसल और एक्टर्नच का स्व-निर्देशित दौरा	59
4.3.1 वियानडेन कैसल.....	60
4.4 लकज़मबर्ग में एक्टर्नच का स्व-निर्देशित पैदल दौरा	64
4.4.1 एक्टर्नच का अभय / सेंट विलिब्रोर्ड बेसिलिका एक्टर्नच	66
4.4.2 ऑरेंजरी/एबे गार्डन.....	69
4.4.3 सिटी हॉल/न्याय का पूर्व महल (डेन्ज़ेल्ट).....	70
4.4.4 क्रॉइक्स डी जस्टिस / कॉलम ऑफ जस्टिस (उर्टसेल).....	71
4.4.5 एक्टर्नच शहर की दीवार.....	73
4.4.6 विला रोमाईन	74
4.4.7 एक्टर्नच झील	75
5. समापन टिप्पणियाँ.....	77

1. आपको लक्ज़मबर्ग क्यों जाना चाहिए?

लक्ज़मबर्ग मध्य यूरोप में एक अल्पज्ञात रत्न है। यह फ्रांसीसी, जर्मन और डच संस्कृतियों के मिश्रण, समृद्ध इतिहास और ऐतिहासिक इमारतों और महलों, सुंदर दृश्यों, अछूता प्रकृति, अच्छी लंबी पैदल यात्रा और गर्मजोशी से भरे, स्वागत करने वाले और खुले विचारों वाले लोगों के लिए जाना जाता है। यह अच्छे और अक्सर मुफ्त संग्रहालयों और मुफ्त परिवहन द्वारा संवर्धित है।

लक्ज़मबर्ग एक छोटा सा देश है और पूरे तीन दिनों में इसका भ्रमण किया जा सकता है।



NUM0 अस्वीकरण

इस गाइड में हम आपको सबसे सटीक जानकारी देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, समय के साथ कीमतें, समय और यहां तक कि आकर्षण भी परिवर्तन के अधीन हैं। इसलिए, यात्रा के दौरान उपयोगकर्ताओं के अनुभवों के लिए मुझे और बैकपैकएंड्सनोर्केल.कॉम को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। मैं दृढ़तापूर्वक सुझाव देता हूं कि आप अपनी यात्रा की योजना बनाते समय पुष्टि के लिए उन आकर्षणों को लिखें या कॉल करें जहां आप जाने की योजना बना रहे हैं।

इसके अलावा, कृपया सतर्क रहें, अपने आस-पास के प्रति सचेत रहें और अपने सामान पर नज़र रखें। जेबकतरे और अन्य अपराधी सबसे अच्छी योजनाबद्ध छुट्टियों को भी आसानी से बर्बाद कर सकते हैं।

NUM0 कॉपीराइट

यह वेबसाइट और इसकी सामग्री 'रूडी एट Backpack and Snorkel' का कॉपीराइट है। सर्वाधिकार सुरक्षित। किसी भी रूप में किसी भी भाग या संपूर्ण सामग्री का पुनर्वितरण या पुनरुत्पादन निषिद्ध है। इस साइट की सामग्री (फ़ोटो सहित) को 'रूडी एट Backpack and Snorkel' की लिखित सहमति के बिना व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए बेचा, पुनर्मुद्रित या उपयोग नहीं किया जा सकता है। आप हमारी स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना, सामग्री का वितरण या व्यावसायिक उपयोग नहीं कर सकते। न ही आप इसे किसी अन्य वेबसाइट या इलेक्ट्रॉनिक पुनर्प्राप्ति प्रणाली के अन्य रूप में प्रसारित या संग्रहीत कर सकते हैं।

3. लक्ज़मबर्ग के बारे में सामान्य जानकारी

3.1 लक्ज़मबर्ग जाने के लिए आपको कितना समय चाहिए?

लक्ज़मबर्ग एक छोटा सा देश है, लेकिन इसमें बहुत सारे आकर्षण हैं। अधिकांश पर्यटक 2 या 3 दिनों के लिए लक्ज़मबर्ग आते हैं, जो लोग कई पगडंडियों पर पैदल यात्रा करना पसंद करते हैं या स्थानीय संस्कृति में डूब जाते हैं, वे आमतौर पर एक सप्ताह तक रुकते हैं।

हमारी Backpack and Snorkel लक्ज़मबर्ग यात्रा गाइड आपको 3-दिवसीय यात्रा प्रदान करती है जो आपको लक्ज़मबर्ग के मुख्य आकर्षण देखने की अनुमति देती है।

इस यात्रा गाइड में, हम ऐतिहासिक इमारतों और महलों, संग्रहालयों और बाहरी अनुभवों को संतुलित करने का प्रयास करते हैं और हम यथासंभव दोहराव से बचने की कोशिश करते हैं ताकि आपको तीन दिनों में समृद्ध और व्यापक लक्ज़मबर्ग अनुभव मिल सके।

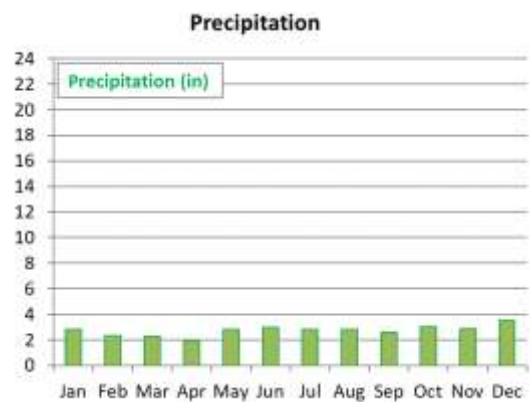
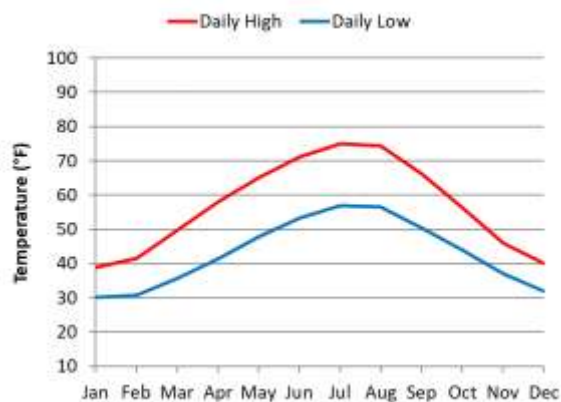
स्थानीय व्यंजन निश्चित रूप से फ्रांसीसी खाने की संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन आप बहुत सारे जर्मन-प्रभावित व्यंजन भी पा सकते हैं। चूंकि लक्ज़मबर्ग वैश्विक संस्कृतियों का मिश्रण है, इसलिए आपको दुनिया भर के खाद्य पदार्थों की आश्चर्यजनक विविधता मिलेगी, और वे आपके प्रयास के लिए वहां मौजूद हैं।

NUMO लक्ज़मबर्ग जाने का सबसे अच्छा समय क्या है?

ज़मीन से घिरे लक्ज़मबर्ग में समुद्री जलवायु होती है, जिसमें गर्म ग्रीष्मकाल, ठंडी से ठंडी सर्दियाँ और साल भर मध्यम वर्षा होती है। वर्ष के लगभग दो-तिहाई समय बादल छाए रहते हैं।

- वसंत (मार्च के अंत में - जून): हल्का तापमान, सर्दियों की तुलना में कम वर्षा और खिलते वसंत के फूल इसे लक्ज़मबर्ग घूमने के लिए एक अच्छा समय बनाते हैं। लक्ज़मबर्ग में पर्यटन सीज़न जून में शुरू होता है।
- ग्रीष्मकालीन (जून के अंत में - सितंबर): यह लक्ज़मबर्ग में उच्चतम कीमतों, गर्म तापमान और आनंद लेने के लिए बहुत सारी बाहरी गतिविधियों के साथ चरम पर्यटन का मौसम है। सितंबर वह समय है जब आपको देश भर के कई शहरों में वाइन फेस्टिवल देखने को मिलेंगे।
- पतझड़ (सितंबर के आखिर में - दिसंबर): पतझड़ हल्का मौसम, कम पर्यटक और, आमतौर पर अक्टूबर में, आश्चर्यजनक पतझड़ लाता है। अक्टूबर के अंत में अक्सर बादल छाए रहते हैं और बारिश होती है, और नवंबर में तापमान में गिरावट आती है।
- सर्दी (दिसंबर के आखिर में - मार्च): दिसंबर और जनवरी लक्ज़मबर्ग में सबसे ठंडे महीने हैं। क्रिसमस का समय व्यस्त हो सकता है - लोग क्रिसमस बाज़ारों और विंटर लाइट्स फेस्टिवल में जाते हैं। क्रिसमस के लिए शहरों को सजाया जाता है और स्थानीय लोग छुट्टियों का आनंद उठाते हैं। लक्ज़मबर्ग में आगंतुकों के लिए जनवरी से मार्च सबसे कम व्यस्त समय है और होटल दरें सबसे कम हैं। मौसम ठंडा और बरसात या बर्फीला है, दिन छोटे हैं, और आकाश में बादल छाए हुए हैं। संग्रहालयों, शो और संगीत कार्यक्रमों में जाने जैसी इनडोर गतिविधियों के लिए यह एक अच्छा समय है।

नीचे वह जलवायु दी गई है जिसकी आप लक्ज़मबर्ग की यात्रा के दौरान उम्मीद कर सकते हैं:



3.3 लक्ज़मबर्ग के इतिहास की मुख्य बातें

- 35,000 ईसा पूर्व: बस्तियों के पहले निशान।
- दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व: सेल्टिक जनजातियाँ इस क्षेत्र में बसती हैं।
- 58 से 51 ईसा पूर्व: रोमनों ने जूलियस सीज़र के तहत सेल्टिक क्षेत्र पर आक्रमण किया। यह क्षेत्र अगले 450 वर्षों तक रोमन साम्राज्य का हिस्सा रहेगा।
- 406AD: फ्रैंक्स (जर्मनिक लोगों) द्वारा घुसपैठ किए जाने के बाद रोम ने इस क्षेत्र को छोड़ दिया। यह क्षेत्र फ्रैंक्स साम्राज्य का हिस्सा बन गया है और जो अब लक्ज़मबर्ग भाषा है उसकी पूर्ववर्ती भाषा पेश की गई है।
- 694: विलिब्रोर्ड और अन्य भिक्षुओं ने 698 में एक्टर्नच के अभय की स्थापना की, जो स्थानीय लोगों के ईसाईकरण में सहायक है।
- 843-855: जो अब लक्ज़मबर्ग है उसे मध्य फ्रांसिया साम्राज्य में एकीकृत किया गया है।
- 855-959: जो अब लक्ज़मबर्ग है वह लोथरिंगिया साम्राज्य का हिस्सा है।
- 959-1059: जो अब लक्ज़मबर्ग है वह अब डची ऑफ़ लोरेन का हिस्सा है।
- 963: लक्ज़मबर्ग का दर्ज इतिहास आधिकारिक तौर पर वर्ष 963 में शुरू होता है, जब काउंट सिगफ्राइड ने एक चट्टानी प्रांत (बॉक रॉक) का अधिग्रहण किया, जिस पर एक छोटा रोमन दुर्ग था और ट्रायर में सेंट मैक्सिमिन के इंपीरियल एबे से इसके आसपास का क्षेत्र था। इस क्षेत्र को ल्यूसिलिनबर्ग (छोटा महल) के नाम से जाना जाता है।
- 963: सिगफ्राइड ने संभवतः पुरानी रोमन संरचना का नवीनीकरण करके, बॉक प्रांत के शीर्ष पर कैस्टेलम ल्यूसिलिनबर्ग (अब लक्ज़मबर्ग कैसल) नामक एक गढ़ का निर्माण किया। प्राचीन व्यापार मार्ग, रिम्स-ट्रायर रोमन रोड के निकट होने के कारण, एक बाज़ार विकसित होना शुरू हो जाता है और लोग यहाँ बसने लगते हैं।
- 1083: कॉनराड प्रथम खुद को 'लक्ज़मबर्ग की गिनती' कहने वाले पहले व्यक्ति हैं। ऐसा करके, वह पवित्र रोमन साम्राज्य के भीतर एक राज्य के रूप में लक्ज़मबर्ग की स्वतंत्र काउंटी बनाता है।
- 13वीं शताब्दी: विवाह और युद्ध के माध्यम से, लक्ज़मबर्ग ने अपना आकार काफी बढ़ा लिया है।
- 1308: लक्ज़मबर्ग के काउंट, हेनरी VII, रोमनों के राजा बने (जर्मनी के राजा द्वारा प्रयुक्त आधिकारिक उपाधि)।
- 1312: हेनरी सप्तम पवित्र रोमन सम्राट बने। वह 1443 तक लक्ज़मबर्ग हाउस द्वारा निर्मित चार पवित्र रोमन सम्राटों में से पहले होंगे।
- 1313: हेनरी सप्तम का पुत्र जॉन द ब्लाइंड (लक्ज़मबर्ग का जॉन), बोहेमिया के राजा (1310 से) और पोलैंड के नामधारी राजा की उपाधि के अलावा लक्ज़मबर्ग का काउंट बन गया। जॉन द ब्लाइंड लक्ज़मबर्ग में एक राष्ट्रीय नायक और लक्ज़मबर्ग के इतिहास और लोककथाओं में एक प्रमुख व्यक्ति बन जाएगा। कई इतिहासकार उन्हें मध्यकाल में वीरता का प्रतीक मानते हैं।
- 1346: जॉन द ब्लाइंड को क्रेसी की लड़ाई में वीरतापूर्ण मृत्यु मिली।
- 1354: चार्ल्स चतुर्थ ने काउंटी को लक्ज़मबर्ग के डची तक बढ़ा दिया और अपने सौतेले भाई वेन्सलॉस प्रथम को लक्ज़मबर्ग का पहला ड्यूक बनाया।
- 1312-1443: लक्ज़मबर्ग हाउस पवित्र रोमन साम्राज्य और मध्य यूरोप के भीतर वर्चस्व के लिए हाउस ऑफ़ हैब्सबर्ग (ऑस्ट्रिया) के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा था।
- 1443: लक्ज़मबर्ग का घर विलुप्त हो गया, क्योंकि सिगिस्मंड और एलिज़ाबेथ ऑफ़ गोर्लिटज़ (1411-1443 तक लक्ज़मबर्ग की डचेस) मरने के बाद दोनों उत्तराधिकारीहीन हैं। लक्ज़मबर्ग राजवंश की सभी संपत्ति यूरोपीय अभिजात वर्ग के बीच पुनर्वितरित की गई है।

- 1444: लक्ज़मबर्ग बर्गंडियन नीदरलैंड का हिस्सा बन गया, जो इसे विदेशी शासन के अधीन लाता है।
- 1482: हैब्सबर्ग हाउस के फिलिप द हैंडसम को वह सब कुछ विरासत में मिला जो बाद में हैब्सबर्ग नीदरलैंड बन गया, जिसमें लक्ज़मबर्ग की डची भी शामिल थी।
- 1506-1556: लक्ज़मबर्ग ऑस्ट्रियाई शासन के तहत हाउस ऑफ हैब्सबर्ग का हिस्सा है।
- 1542: फ्रांस के राजा, फ्रैंकोइस प्रथम ने लक्ज़मबर्ग पर दो बार आक्रमण किया, लेकिन चार्ल्स पंचम के नेतृत्व में हैब्सबर्ग ने हर बार डची पर कब्ज़ा कर लिया।
- 1556-1714: लक्ज़मबर्ग स्पेनिश नीदरलैंड का हिस्सा है (हाउस ऑफ हैब्सबर्ग की स्पेनिश शाखा द्वारा शासित)।
- 1635: फ्रांस और स्पेन के बीच युद्ध हुआ जो 1659 तक चलेगा।
- 1659: पाइरेनीज़ की संधि में, स्पेन ने स्टेने, थिओनविले और मोंटमेडी के लक्ज़मबर्ग किले और आसपास के क्षेत्र को फ्रांस को सौंप दिया और पहली बार प्रभावी रूप से लक्ज़मबर्ग के आकार को कम कर दिया।
- 1684-1697: फ्रांस ने लक्ज़मबर्ग पर विजय प्राप्त की, लेकिन 1697 में स्पेनिश उत्तराधिकार (स्पेनिश साम्राज्य का नियंत्रण) के युद्ध में समर्थन के लिए स्पेनिश में लौट आया।
- 1714-1794: स्पेनिश उत्तराधिकार के युद्ध के दौरान लक्ज़मबर्ग पर ऑस्ट्रिया समर्थक सहयोगी सेनाओं का कब्ज़ा हो गया और अब यह ऑस्ट्रियाई शासन के तहत हाउस ऑफ हैब्सबर्ग का हिस्सा है।
- 1794-1815: प्रथम गठबंधन के युद्ध के दौरान फ्रांस ने ऑस्ट्रियाई नीदरलैंड पर फिर से आक्रमण किया। फ्रांसीसी क्रांतिकारी सेना ने लक्ज़मबर्ग की नागरिक आबादी और मठों के खिलाफ कई अत्याचार किए, जिनमें डिफरडेंज और डुडेलेंज के नरसंहार और क्लेयरफोंटेन, एक्टर्नैच और ओरवल के मठों का विनाश शामिल है। हैब्सबर्ग सेना के आत्मसमर्पण करने से पहले लक्ज़मबर्ग का किला लगभग 7 महीने तक प्रतिरोध करता रहा। फ्रांसीसी राजनेता लज़ारे कार्नोट ने लक्ज़मबर्ग को 'जिब्राल्टर को छोड़कर दुनिया का सबसे अच्छा किला' कहा, जिसने बाद में लक्ज़मबर्ग शहर को 'उत्तर का जिब्राल्टर' उपनाम दिया। फ्रांस फ्रेंच को एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में लागू करता है।
- 1815-1890: नेपोलियन बोनापार्ट की हार के बाद, लक्ज़मबर्ग के डची को बहाल किया गया। क्योंकि लक्ज़मबर्ग पवित्र रोमन साम्राज्य और हैब्सबर्गियन नीदरलैंड का हिस्सा हुआ करता था, प्रशिया साम्राज्य और नीदरलैंड का यूनाइटेड किंगडम अब इस क्षेत्र पर कब्ज़ा करने का दावा करते हैं। वियना की कांग्रेस में, यह निर्णय लिया गया कि लक्ज़मबर्ग नवगठित जर्मन परिसंघ का सदस्य राज्य बन जाता है, और नीदरलैंड का विलियम प्रथम (नीदरलैंड का राजा) राज्य का प्रमुख बन जाता है, और लक्ज़मबर्ग के किले को प्रशियाई सैनिकों द्वारा संचालित किया जाना है और लक्ज़मबर्ग क्षेत्र के बड़े हिस्से (बिटबर्ग और सेंट विथ सहित) प्रशिया की संपत्ति बन जाते हैं। लक्ज़मबर्ग का यह दूसरा विभाजन दूसरी बार है जब लक्ज़मबर्ग के डची का आकार छोटा किया गया है। डची को इस नुकसान की भरपाई करने के लिए, लक्ज़मबर्ग के डची को ग्रैंड-डची बना दिया गया, जिससे डच सम्राट लक्ज़मबर्ग का ग्रैंड-ड्यूक बन गया।
- 1839: डच राजा और प्रशिया द्वारा लक्ज़मबर्ग के ग्रैंड-डची पर नवगठित देश बेल्जियम के दावे को अस्वीकार करने के बाद लंदन की संधि ने लक्ज़मबर्ग के तीसरे विभाजन की शुरुआत की। लक्ज़मबर्ग ने अपना आधे से अधिक क्षेत्र खो दिया। देश का मुख्य रूप से फ्रैंकोफ़ोन पश्चिमी भाग

बेल्जियम में स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि लक्ज़मबर्ग के शेष जर्मन-भाषी ग्रैंड-डुची को पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त है।

- 1867: ऑस्ट्रो-प्रशिया युद्ध और लक्ज़मबर्ग संकट के बाद हस्ताक्षरित, लंदन की दूसरी संधि लक्ज़मबर्ग को पूर्ण स्वतंत्रता और तटस्थता प्रदान करती है। लक्ज़मबर्ग की तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए, संधि यह निर्देश देती है कि लक्ज़मबर्ग शहर के पश्चिम की ओर के किलेबंदी को ध्वस्त किया जाना चाहिए और कभी भी पुनर्निर्माण नहीं किया जाना चाहिए। इस कार्य में 16 साल लगेंगे और 1.5 मिलियन स्वर्ण फ्रैंक की लागत आएगी। 15 मील (24 किमी) से अधिक भूमिगत सुरक्षा और 9.9 एकड़ (4 हेक्टेयर) कैसिमेट्स, बैटरी, बैरक, आदि।
- 1870: फ्रेंको-प्रशिया युद्ध के दौरान, लक्ज़मबर्ग की तटस्थता का सम्मान किया गया और न तो फ्रांस और न ही जर्मनी ने देश पर आक्रमण किया।
- 1890: डच राजा विलियम III के पास उनके उत्तराधिकारी के लिए कोई पुरुष उत्तराधिकारी नहीं है और इस प्रकार लक्ज़मबर्ग के ग्रैंड-ड्यूक की उपाधि पर डचों का दावा समाप्त हो गया, क्योंकि लक्ज़मबर्ग सैलिक कानून का पालन करता है जो विलियम III की बेटी विल्हेल्मिना को लक्ज़मबर्ग में उत्तराधिकार से रोकता है। जबकि नीदरलैंड का ताज विल्हेल्मिना को जाता है, लक्ज़मबर्ग का ताज नासाउ परिवार संधि के अनुसार नासाउ-वेइलबर्ग (एडॉल्फे) के एडॉल्फ को जाता है। इससे लक्ज़मबर्ग पर लगभग 40 वर्षों का विदेशी शासन समाप्त हो गया।
- 1914: प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इंपीरियल जर्मनी ने फ्रांस पर विजय प्राप्त करने के लिए लक्ज़मबर्ग पर आक्रमण किया। जर्मनी आधिकारिक तौर पर लक्ज़मबर्ग को अपनी अधिकांश स्वतंत्रता और राजनीतिक व्यवस्था को बनाए रखने की अनुमति देता है, जबकि फ्रांस पर विजय प्राप्त करने के बाद वह गुप्त रूप से देश पर कब्ज़ा करने की योजना बना रहा है। लक्ज़मबर्ग सरकार का मानना है कि जर्मनी लक्ज़मबर्ग पर कब्ज़ा नहीं करेगा और पूरी तरह से तटस्थ रहेगा। यह तटस्थता प्रथम विश्व युद्ध के बाद लक्ज़मबर्ग को लगभग भंग कर देगी क्योंकि फ्रांस और बेल्जियम इसे जर्मनी के साथ सहयोग के रूप में व्याख्या करते हैं। उनकी सरकार के विपरीत, कई लक्ज़मबर्गवासियों को डर है कि जर्मनी अंततः उनके देश पर कब्ज़ा कर लेगा। लगभग 3,700 लक्ज़मबर्गवासी जर्मनी के विरुद्ध फ्रांसीसी सेना में सेवा करते हैं और लगभग 2,000 मर जाते हैं। गेल फ्रा स्मारक में उनके बलिदानों का स्मरण किया गया है।
- 1919: लक्ज़मबर्ग की 77.8% आबादी ने राजशाही को बनाए रखने और गणतंत्र की स्थापना को अस्वीकार करने के लिए मतदान किया।
- 1940: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी ने लक्ज़मबर्ग पर आक्रमण किया और उस पर कब्ज़ा कर लिया। लक्ज़मबर्ग की सरकार लंदन भाग गई और मित्र राष्ट्रों का समर्थन किया।
- 1945: लक्ज़मबर्ग की युद्ध-पूर्व आबादी का 2.45% मारा गया, और सभी इमारतों का लगभग एक तिहाई नष्ट हो गया या भारी क्षति हुई। लक्ज़मबर्ग संयुक्त राष्ट्र का संस्थापक सदस्य बन गया।
- 1949: लक्ज़मबर्ग नाटो का संस्थापक सदस्य बना।
- 1950 का दशक: लक्ज़मबर्ग पूर्ववर्ती संगठनों के संस्थापक सदस्यों में से एक है जो अब यूरोपीय संघ है।
- 1999: लक्ज़मबर्ग यूरोज़ोन में शामिल हुआ।
- 2013-2014: लक्ज़मबर्ग को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य चुना गया।

3.9 लक्ज़मबर्ग किस समय क्षेत्र में है

लक्ज़मबर्ग अपने पड़ोसी देशों की तरह, मध्य यूरोपीय समय/UTC+1 का उपयोग करता है और डेलाइट सेविंग टाइम (DST) का पालन करता है। आप वर्तमान स्थानीय समय यहाँ पा सकते हैं।

NUM0 लक्ज़मबर्ग के लिए वीज़ा आवश्यकताएँ

लक्ज़मबर्ग अपने पड़ोसी यूरोपीय संघ देशों की तरह शेंगेन क्षेत्र का हिस्सा है। यदि आप कार से लक्ज़मबर्ग में प्रवेश करते हैं या बाहर निकलते हैं तो यहाँ कोई सीमा नियंत्रण नहीं है। आप यहां जांच सकते हैं कि लक्ज़मबर्ग में प्रवेश के लिए आपको वीज़ा की आवश्यकता है या नहीं।

NUM0 लक्ज़मबर्ग में बोली जाने वाली भाषाएँ

लक्ज़मबर्ग की तीन आधिकारिक भाषाएँ हैं: लक्ज़मबर्ग, जर्मन और फ्रेंच।

- **फ्रेंच:** फ्रेंच लक्ज़मबर्ग में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है और यह मुख्य संचार भाषा है। यदि आप उन दुकानों या रेस्तरां में जाते हैं जहां अधिकतर स्थानीय लोग आते हैं, तो आपका सामना ऐसे श्रमिकों से हो सकता है जो केवल फ्रेंच और शायद कुछ शब्द जर्मन या अंग्रेजी बोलते हैं। संग्रहालयों में, लगभग सभी प्रदर्शनियों में फ्रेंच विवरण होंगे, कई में जर्मन विवरण भी होंगे लेकिन केवल कुछ ही विवरण अंग्रेजी में होंगे।
- **जर्मन:** अखबारों में जर्मन अभी भी सबसे लोकप्रिय भाषा है, लेकिन फ्रेंच लोकप्रियता हासिल कर रही है।
- **लक्ज़मबर्ग:** लक्ज़मबर्ग में जर्मन और डच के समान समानताएं हैं। यह राजनीति में प्रमुख बोली जाने वाली भाषा है।
- **अंग्रेजी:** पर्यटन उद्योग में अधिकांश लोग अंग्रेजी बोलते हैं।

4. आपकी लक्ज़मबर्ग यात्रा के लिए तीन दिवसीय यात्रा कार्यक्रम

लक्ज़मबर्ग का अनुभव करने का सबसे अच्छा तरीका 3 दिन या उससे अधिक लंबी यात्रा है। हमारा यात्रा कार्यक्रम आपको दो दिनों के लिए लक्ज़मबर्ग शहर की खोज करने की अनुमति देता है और तीसरे दिन आपको वियानडेन कैसल और एक्टर्नच शहर में ले जाता है। आप इस यात्रा कार्यक्रम का वैसे ही उपयोग कर सकते हैं या इसे अपनी रुचियों और यात्रा शैली के अनुरूप संशोधित कर सकते हैं।

	दिन	रात
दिन 1	लक्ज़मबर्ग पहुँचें ; ग्रैंड रू ; डिक्स-लेंटज़ स्मारक ; प्लेस डी'आर्म्स ; गिलाउम II रखें ; ग्रैंड ड्यूक विलियम द्वितीय की मूर्ति ; लक्ज़मबर्ग सिटी हॉल ; गेल फ्रा - कॉन्स्टिट्यूशन स्क्रायर पर स्मृति स्मारक ; पेत्रुसे कैसमेट्स ; पोंट एडोल्फ ब्रिज ; बुलेवार्ड फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट ; नोट्रे डेम कैथेड्रल ; ग्रैंड-डचेस चार्लोट प्रतिमा ; ग्रांड डुकल पैलेस	लक्ज़मबर्ग शहर
दिन 2	इतिहास और कला का राष्ट्रीय संग्रहालय ; सेंट-मिशेल चर्च ; पोंट डू चैटो ब्रिज ; बॉक कैसमेट्स ; तीन मीनारें ; स्पेनिश बुर्ज ; चेमिन डे ला कॉर्निश ; ग्रुंड वियाडुक फेरोविएर की ओर ; ला हील आटा स्टोर हाउस ; फोर्ट ओबरग्रुनेवाल्ड तक पैदल यात्रा ; फोर्ट थुंगेन ; इन्फिनिटी शॉपिंग सेंटर ; पार्क फोडेशन पेस्काटोर ; फाफेंथल पैनोरमिक लिफ्ट	लक्ज़मबर्ग शहर
तीसरा दिन	वियानडेन कैसल ; एक्टर्नच (एक्टर्नच का अभय; ऑरेंजरी; सिटी हॉल; क्रॉइक्स डी जस्टिस; शहर की दीवार; विला रोमाईन; एक्टर्नच झील)	लक्ज़मबर्ग शहर या एक्टर्नच
दिन 4	लक्ज़मबर्ग प्रस्थान	

4.1 लक्ज़मबर्ग शहर में विले-हाउते का स्व-निर्देशित पैदल दौरा

लक्ज़मबर्ग शहर के इस स्व-निर्देशित पैदल दौरे के लिए लगभग 2 मील (3.2 किमी) पैदल चलने की आवश्यकता होती है, इसमें संग्रहालय और कैसिमेट्स में आपके द्वारा चलने वाली दूरी की गणना नहीं की जाती है। आप यात्रा को किसी भी बिंदु से शुरू कर सकते हैं क्योंकि यह वहीं समाप्त होता है जहां से शुरू होता है।

विले-हाउते लक्ज़मबर्ग शहर का ऐतिहासिक केंद्र है जो रॉकी प्रोमोटेरी (बॉक रॉक) जिसे काउंट सिगफ्राइड ने 963 में हासिल किया था के शीर्ष पर स्थित है।



1 Grand-रूए

2 डिक्स और लोटेज़ स्मारक

3 प्लेस डी आर्म्स

4 गिलाउम II रखें

5 ग्रेंड ड्यूक विलियम द्वितीय की मूर्ति

6 लक्ज़मबर्ग सिटी हॉल / होटल डे विले

7 कॉन्स्टिट्यूशन स्कायर पर गेल फ्रा

8 पेत्रुसे कैसमेट्स

9 पोंट एडोल्फ ब्रिज

एक बुलेवार्ड फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट

बीकैथेडल नोटे-डेम

सीचालॉट की मूर्ति

डीपैलैस ग्रेंड-डुकल

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आज के पैदल दौरे में कैसमेट्स (पेट्स या बॉक कैसमेट्स) का एक निर्देशित दौरा शामिल है। पेत्रुसे कैसमेट्स पूरे वर्ष खुले रहते हैं, लेकिन बॉक कैसमेट्स तक केवल गर्मियों में ही पहुंचा जा सकता है। चूंकि बॉक कैसमेट्स दोनों में से अधिक लोकप्रिय हैं, इसलिए अंग्रेजी दौरे के टिकट बिक सकते हैं। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि आप अपने प्रवेश टिकट कुछ दिन या यहां तक कि सप्ताह (उच्च सीजन में) पहले ही खरीद लें। कैसिमेट्स में प्रवेश केवल निर्देशित दौरे द्वारा

__NUMO__ ग्रैंड-रू

(नक्शा)

ग्रैंड-रू लक्ज़मबर्ग शहर के ऐतिहासिक जिले में एक लोकप्रिय पूर्व-पश्चिम की ओर जाने वाली पैदल यात्री खरीदारी वाली सड़क है। आप यहां प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय ब्रांड, डिपार्टमेंट स्टोर, स्थानीय कारीगर दुकानें, बैंक, रेस्तरां और कार्यालय पा सकते हैं। अधिकांश इमारतों की ऊपरी मंजिलें आवासीय हैं। रॉयल-हैमिलियस शॉपिंग सेंटर सड़क के पश्चिमी छोर पर स्थित है और देखने लायक है। कृपया ध्यान दें कि लगभग पूरा केंद्र एक पैदल चलने और खरीदारी करने वाला जिला है, लेकिन ग्रैंड-रू में सबसे उच्च श्रेणी के अंतरराष्ट्रीय ब्रांड हैं।



NUMO डिक्स और लेंटज़ स्मारक

(नक्शा, समीक्षा, वेबसाइट)

डिक्स और लेंटज़ स्मारक स्कायर जान पल्लाच में [प्लेस डी'आम्स](#) के पश्चिमी छोर पर स्थित है। यह स्मारक पियरे फेडरस्पिल द्वारा बनाया गया था और यह लक्ज़मबर्ग के दो राष्ट्रीय कवियों की याद दिलाता है:

- एडमंड डे ला फॉन्टेन (1823-1891), जिन्हें उनके उपनाम डिक्स से बेहतर जाना जाता है। डिक्स लक्ज़मबर्ग के न्यायविद, कवि और गीतकार थे और उन्हें लक्ज़मबर्ग का राष्ट्रीय कवि माना जाता है।
- मिशेल लेंटज़ (1820-1893), जिन्होंने लक्ज़मबर्ग का राष्ट्रगान लिखा था।

स्मारक के शीर्ष पर एक शेर है, जो ग्रैंड डची का प्रतिनिधित्व करता है और नीचे एक लोहार खड़ा है जो इस्पात उद्योग का प्रतीक है।

स्तंभ पर शिलालेख में लिखा है: मीर वेले ब्लीवे व्हाट मीर सिन (हम जो हैं वही रहना चाहते हैं) लक्ज़मबर्ग का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है। यह वाक्यांश 1859 में मिशेल लेंटज़ के एक देशभक्ति गीत में गढ़ा गया था, जिसका नाम था: डी फ़ेयरवोन। यह गीत लक्ज़मबर्ग की पहली सीमा पार रेलवे को श्रद्धांजलि देता है।

'मीर वेले ब्लीवे वॉट मीर सिन' अभिव्यक्ति 19वीं शताब्दी में लक्ज़मबर्ग के राष्ट्रीय जागरण और स्वतंत्रता की चेतना का प्रतीक बन गई, जिसकी परिणति [1890 जब पूर्ण स्वतंत्रता की और अंतिम कदम उठाया गया जब नासाउ-वेइलबर्ग का एडोल्फ लक्ज़मबर्ग का ग्रैंड-ड्यूक बन गया](#) में हुई।





4. The fourth part of the document provides a summary of the findings and conclusions. It highlights the key points of the study and offers recommendations for future research and practice.

5. The fifth part of the document includes a list of references and a list of figures and tables. It also includes a list of appendices and a list of footnotes.

6. The sixth part of the document includes a list of references and a list of figures and tables. It also includes a list of appendices and a list of footnotes.

7. The seventh part of the document includes a list of references and a list of figures and tables. It also includes a list of appendices and a list of footnotes.



__NUMO__ लक्ज़मबर्ग सिटी हॉल / होटल डे विले

(नक्शा, समीक्षा, वेबसाइट)

नियोक्लासिकल शैली की इस दो मंजिला इमारत में लक्ज़मबर्ग शहर की सरकार, लक्ज़मबर्ग शहर के मेयर का निजी कार्यालय है और इसका उपयोग नियमित रूप से विदेशी गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी के लिए किया जाता है। यह फ्रांसिस्कन भिक्षुओं के एक पूर्व मठ की साइट पर खड़ा है, जिसे 1795 में फ्रांसीसी सेना ने जब्त कर लिया था और फिर 1804 में प्लेस गुइल्यूम ॥ और बाद में 1830 - 1838 तक लक्ज़मबर्ग सिटी हॉल बनाने के लिए इसका पुनर्निर्माण किया गया था।

सिटी हॉल के उद्घाटन समारोह के लिए 1844 तक इंतजार करना पड़ा, क्योंकि चल रही बेल्जियम क्रांति ने किंग-ग्रैंड ड्यूक विलियम द्वितीय को भाग लेने से रोक दिया था। 1844 में, विलियम द्वितीय ने अंततः सिटी हॉल उद्घाटन समारोह का नेतृत्व किया और खुद के लिए घुड़सवारी की मूर्ति का अनावरण भी किया।

इस इमारत का उपयोग सबसे पहले नगर परिषद की सीट के रूप में किया गया था। 1848 में इसने संविधान सभा की मेजबानी की जिसने नया राष्ट्रीय संविधान लिखा। 1938 में, दो शेर की मूर्तियां, जो प्रवेश द्वार के बगल में थीं, जोड़ी गईं। वे लक्ज़मबर्ग शहर का प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसा कि इसके हथियारों के कोट पर प्रतिबिंबित होता है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जर्मन कब्ज़ाधारियों ने बेसमेंट को मार्केट हॉल से कार्यालयों में बदल दिया, जिससे इमारत में कार्यालय स्थान की मात्रा काफी बढ़ गई।







कृपया ध्यान रखें कि यात्रा वहीं खत्म नहीं होती जहाँ से शुरू हुई थी। आप कॉर्निश के निचले स्तर पर दक्षिण-पश्चिम में कुछ सौ फीट की दूरी पर पेट्रुसे कैसमेट्स से बाहर निकलेंगे। बाहर निकलने पर, बाएँ (पूर्व) मुड़ें और सीढ़ियों से ऊपर जाएँ। सीढ़ियों के अंत में, बाएँ (पश्चिम) मुड़ें और कैसमेट की दीवारों के साथ पथ का अनुसरण करें।



Figure 1: A blurry, low-resolution image of a landscape, possibly a field or forest, with a light-colored path or road running through it. The colors are muted and the image is out of focus.



Figure 2: A blurry, low-resolution image of a landscape, possibly a field or forest, with a light-colored path or road running through it. The colors are muted and the image is out of focus.



Environmental Impact Assessment



Figure 1: Aerial view of a river flowing through a green landscape with a small bridge.

Figure 2: Aerial view of a river flowing through a green landscape with a small bridge.

__NUM0__ बुलेवार्ड फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट ([नक्शा](#), [समीक्षा](#), [वेबसाइट](#))

बुलेवार्ड फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट पर पूर्व की ओर [गोल फ्रा](#) स्मारक की ओर चलें और इसे तब तक पार करें जब तक आप [नोट्रे डेम कैथेड्रल](#) तक नहीं पहुंच जाते। जब आप बुलेवार्ड के साथ चल रहे हैं, तो घाटी के शानदार दृश्यों को संगमरमर से देखें।





Text block, likely a title or header, rendered as a blurred grey bar.

Text block, likely a paragraph of content, rendered as a blurred grey bar.

Text block, likely a paragraph of content, rendered as a blurred grey bar.

Text block, likely a paragraph of content, rendered as a blurred grey bar.

Text block, likely a paragraph of content, rendered as a blurred grey bar.

Text block, likely a paragraph of content, rendered as a blurred grey bar.





__NUMO__ चार्लोट की मूर्ति

(नक्शा, समीक्षा, वेबसाइट)

ग्रैंड-डचेस चार्लोट की 9 फीट (2.7 मीटर) की प्रतिमा विदेश मंत्रालय के बगल में प्लेस क्लेयरफोंटेन में स्थित है। इसे पेरिस के मूर्तिकार जीन कार्डोट द्वारा डिजाइन किया गया था और 1990 में इसका उद्घाटन किया गया था।

चार्लोट, जो लक्ज़मबर्ग के सबसे प्रिय और प्रशंसित नेताओं में से एक थीं, ने 1919 से 1964 तक शासन किया।

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान कब्जे वाले जर्मनों के प्रति अत्यधिक मित्रवत होने के आरोपों के कारण उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर होने के बाद, उन्होंने अपनी बड़ी बहन, मैरी-एडिलेड से शासन संभाला।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ग्रैंड ड्यूकल परिवार नाज़ी सैनिकों के आने से कुछ समय पहले लक्ज़मबर्ग से भाग गया था।

जब जर्मनों ने ग्रैंड डचेस को उसके कार्यों में बहाल करने का प्रस्ताव रखा, तो चार्लोट ने इनकार कर दिया क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि उस पर जर्मनों के प्रति बहुत अधिक मित्रवत होने का आरोप लगाया जाए, जैसा कि उसकी बड़ी बहन पर था।

1940 में ग्रैंड डचेस चार्लोट ने लंदन से बीबीसी का उपयोग करके अपनी मातृभूमि में सहायक प्रसारण करना शुरू किया और 1943 में उन्होंने और लक्ज़मबर्ग सरकार ने खुद को लंदन में स्थापित किया और उनके प्रसारण बीबीसी शेड्यूल का एक नियमित हिस्सा बन गए, जिसने उन्हें लक्ज़मबर्ग में प्रतिरोध आंदोलनों के फोकस के रूप में स्थापित किया।

युद्ध के बाद, चार्लोट अंतरराष्ट्रीय मंच पर लक्ज़मबर्ग की प्रतिष्ठा बढ़ाने में बहुत सक्रिय थीं।

12 नवंबर 1964 को, उन्होंने अपने बेटे जीन के पक्ष में त्यागपत्र दे दिया। चार्लोट की 1985 में कैंसर से श्लॉस फिशबैक में मृत्यु हो गई। उन्हें लक्ज़मबर्ग शहर में नोट्रे-डेम कैथेड्रल का डुकल क्रिए में दफनाया गया था।



1. The first step in the process is to identify the problem or issue that needs to be addressed. This involves gathering information and understanding the context of the problem.

2. Once the problem is identified, the next step is to develop a plan of action. This involves setting goals, identifying resources, and determining the steps that need to be taken to address the problem.

3. The third step is to implement the plan. This involves putting the plan into action and monitoring progress to ensure that the goals are being met.



यह लक्ज़मबर्ग शहर के आपके पहले दिन के यात्रा कार्यक्रम का समापन करता है। अब रुए डु मार्च-ऑक्स-हर्ब्स पर उत्तर की ओर [Grand-रुए](#) तक चलें और फिर पश्चिम की ओर अपने यात्रा कार्यक्रम के शुरुआती बिंदु तक चलें।

यदि आपके पास अभी भी समय है, तो हम [चेमिन डे ला कॉर्निश](#) पर इत्मीनान से टहलने की सलाह देते हैं और शायद [प्लेस डी'आर्म्स](#) पर रात का खाना खा सकते हैं।







1. The first image shows a person in a blue shirt and a person in a white shirt standing in front of a building. The person in the blue shirt is on the left and the person in the white shirt is on the right. They are both looking towards the camera.





Figure 1. Aerial view of the study area.

Figure 2. Aerial view of the study area.





अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात, पुल से शानदार दृश्यों का आनंद लें।



NUMO पोर्टे डेस ट्रोइस टूर्स / द थ्री टावर्स (नक्शा, समीक्षा)

'द थ्री टावर्स' नामक मध्ययुगीन द्वार में 14वीं सदी के दो गोल टावर और 12वीं सदी का एक केंद्रीय वर्गाकार आवास शामिल है। मध्य भाग प्रथम मध्ययुगीन पत्थर के बाड़े का था।

1810 तक, थ्री टावर्स गेट विले-हाउते और जेल के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता था।

पुराने लेखों में भूमिगत कालकोठरियों और कैदियों को नीचे-ऊपर लाने के लिए रस्सियों का उल्लेख है।

मध्ययुगीन गेट के पीछे एक छोटा सा गढ़ था जिसे गेट के आसपास की निगरानी और सुरक्षा के लिए 1606 में बनाया गया था। इसे 1828 में महल के बगीचे की छत में बदल दिया गया था।



__NUMO__ स्पैनिश बुर्ज / स्पैनिश वॉच टावर

([नक्शा](#), [समीक्षा](#))

17वीं शताब्दी में प्रमुख किलेबंदी कार्य के हिस्से के रूप में स्पेनियों द्वारा वॉच टावरों की एक श्रृंखला (शायद 37 तक) बनाई गई थी। बुर्जों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं किया गया है। कुछ आज तक जीवित हैं।



अब जहां से आप आए थे वहां लगभग 600 फीट (185 मीटर) तक वापस जाएं जब तक कि सड़क बाईं ओर न मुड़ जाए। यहीं से [चेमिन डे ला कॉर्निश](#) शुरू होता है।

1. The first image shows a close-up of a person's face, which is heavily blurred and distorted. The person appears to be wearing a mask or has their face covered in some way. The image is very low quality and lacks detail.



...the ...
...the ...
...the ...

...the ...



...the ...
...the ...
...the ...



1. Introduction

The purpose of this study is to investigate the effects of the proposed system on the performance of the participants.

The study was conducted in a laboratory setting with a sample of 20 participants.

The results of the study show that the proposed system significantly improved the performance of the participants.

The study has several limitations, including a small sample size and a lack of long-term data.

Future research should focus on conducting larger-scale studies and exploring the long-term effects of the proposed system.





...

1. The first image shows a landscape with a large body of water, possibly a lake or a wide river, and a forested area in the background. The sky is overcast.

2. The second image shows a similar landscape, but with a more prominent foreground of green grass and a path leading towards the water.

3. The third image shows a different view, with a large, dark, rocky outcrop in the foreground and a body of water in the background.

4. The fourth image shows a landscape with a large, light-colored, sandy or silty area in the foreground, possibly a dry riverbed or a beach, and a body of water in the background.



__NUM0__ फोर्ट थुंगेन ([नक्शा](#), [समीक्षा1](#), [समीक्षा2](#), [वेबसाइट](#))

पहाड़ी पर चढ़ना जारी रखें और लगभग कुछ देर बाद आप फोर्ट थुंगेन पहुंचेंगे। 330 फीट (100 मीटर). किले का उपनाम 'श्री एकोर्न' है, क्योंकि प्रत्येक टॉवर के शीर्ष पर एक बलूत का फल है।

किला 1732-1733 में बनाया गया था और 1836 में और 1859 - 1860 तक प्रशियावासियों द्वारा इसका विस्तार और सुदृढ़ीकरण किया गया था।

1867 की लंदन संधि की आवश्यकता के अनुसार फोर्ट थुंगेन के अधिकांश हिस्से को ध्वस्त कर दिया गया था। केवल तीन मीनारें और किले के बाकी हिस्से की नींव ही बची थी।

आज आप जो अक्षुण्ण किला देख रहे हैं वह एक पुनर्निर्माण है जो 1837 में मूल विस्तार के अंतिम चरण को दर्शाता है। काम समाप्त हो गया था, और किले को मुसी ड्राई एचेलन (श्री एकोर्न संग्रहालय) के रूप में फिर से खोल दिया गया था।

लेखन के समय, खुलने का समय मंगलवार से रविवार सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे (बुधवार रात 8 बजे) है और प्रवेश निःशुल्क है।

स्थायी प्रदर्शनी में लगभग 600 कलाकृतियाँ हैं जो 1443 में बर्गीडियन विजय से लेकर 1903 में एडोल्फ ब्रिज के निर्माण तक लक्ज़मबर्ग के इतिहास को कवर करती हैं। प्रदर्शन कई कैसिमेट्स (भूमिगत दीर्घाओं) में प्रदर्शित किए गए हैं।

अपनी भूमिगत दीर्घाओं के साथ, इमारत स्वयं स्थायी प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है। इसे 1837 में इसके मूल विस्तार के अंतिम चरण को प्रतिबिंबित करने के लिए बहाल किया गया है।





4.2.13 पार्क फोंडेशन पेस्काटोर

([नक्शा](#), [समीक्षा](#))

पार्क फोंडेशन पेस्काटोर एक अच्छा, आरामदायक पार्क है जो लगभग कवर करता है। 3.8 एकड़ (15,200 मी²)। पैदल चलने के रास्ते डामर के हैं, और इसमें बेंच, एक फव्वारा और कला के कुछ टुकड़े हैं। उत्तर की ओर, एक गेट के पीछे, 'पेस्काटोर, जे.पी. फाउंडेशन' है, जो एक वरिष्ठ नागरिक केंद्र है जो एक सुंदर नव-गॉथिक इमारत में स्थित है जिसे 1886 में बनाया गया था।

यह फाउंडेशन लक्ज़मबर्ग के व्यापारी और बैंकर जीन-पियरे पेस्काटोर के पास जाता है, जिन्होंने शहर को 500,000 फ्रैंक और अपने प्रतिष्ठित कला संग्रह को इस शर्त पर छोड़ दिया था कि उन्हें एक सामाजिक संस्थान और संग्रहालय मिलेगा। नतीजा इमारत और पार्क है।

बुल्ज की लड़ाई (1944/1945 में अर्देनेस आक्रामक) के दौरान, इमारत का उपयोग अमेरिकी जनरल जॉर्ज एस. पैटन के मुख्यालय के रूप में किया गया था।



यह पार्क आज के हमारे अंतिम आकर्षण, [फ्रांफेंथल पैनोरमिक लिफ्ट](#) के ठीक पास है।

4.2.14 फ्रैंकफ़र्थल पैनोरमिक लिफ्ट

(नक्शा, समीक्षा, वेबसाइट)

फ्रैंकफ़र्थल पैनोरमिक एलिवेटर लक्ज़मबर्ग शहर के ऐतिहासिक शहर (विले-हाउते) को अल्ज़ेट नदी घाटी में फ्रैंकफ़र्थल से जोड़ता है।

लिफ्ट हर दिन सुबह 5.45 से 1 बजे तक चालू रहती है, महीने के हर पहले सोमवार को सुबह 9 बजे के बाद छोड़कर, जब यह रखरखाव के लिए बंद होती है।

यहां कोई प्रवेश शुल्क नहीं है, कोई ऑपरेटर नहीं है, और लिफ्ट का उपयोग करने के लिए आमतौर पर कोई महत्वपूर्ण इंतजार नहीं करना पड़ता है।

लक्ज़मबर्ग शहर के ऐतिहासिक केंद्र (विले-हाउते) और अल्ज़ेट नदी घाटी के बीच संबंध बनाने का विचार 2006 का है, जब शहर स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए शहर के दोनों हिस्सों के बीच पैदल यात्री और साइकिल यातायात को सुविधाजनक बनाने के साधन तलाश रहा था।

हवाई केबल कार, एक एलिवेटर, एस्केलेटर और एक फनिक्युलर सहित विभिन्न विकल्पों की खोज की गई। 2007 में, लागत और सौंदर्य संबंधी कारणों से एक एलिवेटर बनाने का निर्णय लिया गया था।

ग्राउंडब्रेकिंग 2009 में हुई थी, लेकिन भूवैज्ञानिक मुद्दों के कारण निर्माण में चार साल की देरी हुई क्योंकि इस परियोजना के लिए पहाड़ी को स्थिर करना पड़ा। निर्माण 2015 में किया गया था, एलिवेटर केबिन 2016 में स्थापित किया गया था और आधिकारिक उद्घाटन समारोह उसी वर्ष आयोजित किया गया था।

मुख्य ऊर्ध्वाधर संरचना में 245 फीट (75 मीटर) लंबा, 8.5 फीट (2.6 मीटर) चौड़ा और 8.5 फीट (2.6 मीटर) गहरा खोखला टॉवर प्रबलित कंक्रीट से बना है, जिसमें लिफ्ट काउंटरवेट शामिल है।

टॉवर का घाटी की ओर वाला हिस्सा 197 फीट (60 मीटर) ऊंचे एलिवेटर शाफ्ट के लिए बैकिंग के रूप में कार्य करता है, जो इसके चेहरे पर खुला होता है और इसके किनारों पर लगभग पूरी तरह से खुला होता है।

इलाके को स्थिर करने के लिए, खोदी गई पहाड़ी को स्प्रे किए गए कंक्रीट से ढक दिया गया है और 72 एंकर बोल्टों से सुरक्षित किया गया है, जो पहाड़ी के अंदर 98 फीट (30 मीटर) की गहराई तक संचालित हैं, इसके आधार पर 52 फीट (16 मीटर) ऊंची प्रबलित कंक्रीट रिटेंनिंग दीवार है।

लिफ्ट के पुल और लिफ्ट केबिन में कांच की दीवारें हैं और घाटी के शानदार दृश्य दिखाई देते हैं।





© 2010 Pearson Education, Inc. All rights reserved. This publication is protected by copyright. Any unauthorized use or distribution of this work is prohibited. For more information, contact Pearson Education, Inc., 501 Boylston Street, Boston, MA 02116.



__NUMO__ लक्ज़मबर्ग में वियानडेन कैसल और एक्टर्नच का स्व-निर्देशित दौरा

आज आपके लक्ज़मबर्ग दौरे के 3-दिवसीय मुख्य आकर्षण का आखिरी दिन है और लक्ज़मबर्ग शहर के बाहर के मुख्य आकर्षणों का पता लगाने के लिए यह एक आदर्श दिन है। सटीक रूप से कहें तो, आप लक्ज़मबर्ग शहर के बाहर लक्ज़मबर्ग के सबसे अधिक देखे जाने वाले ऐतिहासिक स्मारक वियानडेन कैसल और जर्मनी की सीमा के पास स्थित एक्टर्नच शहर का दौरा करेंगे।

हालाँकि मुफ्त सार्वजनिक परिवहन द्वारा दोनों स्थानों तक पहुँचने के रास्ते हैं, हम आपकी किराये की कार का उपयोग करने की सलाह देते हैं क्योंकि यह काफी तेज़ है, और आप अधिक लचीले हैं।

आपके पहले गंतव्य [वियानडेन कैसल](#) तक ड्राइव करने में 45-50 मिनट लगने चाहिए।



1 [लक्ज़मबर्ग शहर](#)

2 [वियानडेन कैसल](#)

3 [Echternach](#)

__NUM0__ वियानडेन कैसल (नक्शा,समीक्षा,वेबसाइट)

वियानडेन कैसल 1,020 फीट (310 मीटर) की ऊंचाई पर एक चट्टानी प्रांत पर स्थित है, जो वियानडेन शहर पर हावी है और हमारी नदी को देखता है। यह राइन नदी के पश्चिम में सबसे बड़े किलेबंद महलों में से एक है और लक्ज़मबर्ग शहर के बाहर लक्ज़मबर्ग का सबसे अधिक देखा जाने वाला ऐतिहासिक स्मारक है।

लेखन के समय, खुलने का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक था (मार्च और अक्टूबर में शाम 5 बजे और नवंबर से फरवरी तक शाम 4 बजे)। वयस्कों के लिए प्रवेश शुल्क 10 € है और छात्रों और बच्चों के लिए छूट उपलब्ध है। हमें ऑडियो गाइड (10 भाषाओं में उपलब्ध) के लिए अतिरिक्त 2 € प्रति ऑडियो गाइड का भुगतान करना मददगार लगा, क्योंकि इसमें केवल कुछ ही अंग्रेजी विवरण हैं; सब कुछ जर्मन और फ्रेंच में है।

प्रवेश द्वार पर, आपको अपने स्व-निर्देशित दौरे की रूपरेखा वाला एक ब्रोशर मिलता है। कमरे क्रमांकित हैं और इससे निर्दिष्ट पैदल पथ का अनुसरण करना वास्तव में आसान हो जाता है।

प्रवेश द्वार की ओर जाने वाले छोटे रास्ते के करीब सशुल्क पार्किंग के साथ कुछ छोटे पार्किंग स्थल हैं। हमने 2 घंटे के लिए भुगतान किया और लगभग 1 घंटे 40 मिनट के बाद वापस आ गए।

275 ईस्वी में इस स्थल पर जो पहली संरचना बनाई गई थी, वह एक छोटा किला था जो हमले की स्थिति में शहरवासियों के लिए आश्रय के रूप में काम करता था। संरचना को लगभग 430 पर छोड़ दिया गया था।

वर्ष 1000 के आसपास यहां पत्थर का महल बनाया गया था। इसमें एक निगरानी टावर था और यह एक अंडाकार रक्षात्मक दीवार से घिरा हुआ था।

लगभग 1100 में, एक चैपल, रसोई और आवासीय कमरों के साथ एक आवासीय महल बनाया गया था और संभवतः इसमें एक कुलीन परिवार रहता था।

लगभग. 1170, एक नया और बड़ा आवासीय टावर और एक प्रतिष्ठित दशकीय चैपल जोड़ा गया, और महल का विस्तार किया गया। इन वर्षों में, वियानडेन की गिनती द्वारा कई परिवर्धन और संशोधन किए गए। 13वीं शताब्दी में, गॉथिक शैली को प्रतिबिंबित करने के लिए पूरे महल को बदल दिया गया था। ऐसा प्रतीत होता है कि इनमें से कई संशोधन और विस्तार लक्ज़मबर्ग हाउस को टक्कर देने के लिए किए गए हैं।

1417 में, वियानडेन हाउस के अंतिम वंशज की मृत्यु हो गई और महल को भंडारण के रूप में इस्तेमाल किया गया और कुछ बाहरी संरचनाओं को तोड़ दिया गया। 16वीं शताब्दी के दौरान, महल को अधिकतर छोड़ दिया गया था।

1820 में, किंग विलियम प्रथम ने महल को 3,200 फ्लोरिन के लिए वेन्ज़ेल कोस्टर को बेच दिया, जिन्होंने इमारत को ध्वस्त करना शुरू कर दिया और दरवाजे, खिड़कियां, लकड़ी के पैनलिंग, छत के बीम, गटर और यहां तक कि छत की टाइल्स सहित सब कुछ बेच दिया, जिससे महल खंडहर हो गया।

एक समय के गौरवशाली महल के विध्वंस के अपमान ने लोगों को नाराज कर दिया, इसलिए राजा ने इसे पुनर्स्थापित करने के लक्ष्य के साथ 1827 में खंडहर को 1,100 फ्लोरिन में खरीद लिया। 1830 की बेल्जियम क्रांति के कारण, 1851 तक कुछ नहीं हुआ, जब नीदरलैंड के राजकुमार हेनरी ने अपने खर्च पर चैपल का पुनर्निर्माण किया। प्रथम विश्व युद्ध के कारण काम बाधित होने तक और अधिक पुनर्स्थापन किए गए।

THE HISTORY OF THE CITY OF BOSTON







...

4.4.1 एक्टर्नच का अभय / सेंट विलिब्रोर्ड बेसिलिका एक्टर्नच

(नक्शा, समीक्षा)

एक्टर्नच का अभय जर्मन सीमा के पास एक्टेरनच शहर में एक बेनिडिक्तिन मठ है।

698 में बिशप विलिब्रोर्ड, एक एंग्लो-सैक्सन मिशनरी, जिन्हें बाद में सेंट विलिब्रोर्ड के पद पर पदोन्नत किया गया था, को मठाधीश नियुक्त किया गया था, और 6वीं शताब्दी के एक छोटे मठ की जगह पर एक बड़ा मठ स्थापित करने का काम सौंपा गया था।

विलिब्रोर्ड ने 700 में एक्टर्नच का अभय खोला और कई आयरिश भिक्षुओं का समर्थन हासिल किया, जो एक्टर्नच में पहली बस्ती का हिस्सा होंगे।

739 में 81 वर्ष की आयु में विलिब्रोर्ड की मृत्यु के बाद, उनकी कब्र पर आने वाले बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के लिए मठ जल्द ही छोटा हो गया।

नौवीं शताब्दी की शुरुआत में, कैरोलिंगियन शैली का एक बड़ा चर्च बनाया गया था, लेकिन लगभग 200 साल बाद यह जल गया।

शारलेमेन (किंग चार्ल्स द ग्रेट) अभय के प्रबल समर्थक थे, लेकिन जब 830 के दशक में गृह युद्धों के दौरान फ्रैंकिश राज्य उनके उत्तराधिकारी के अधीन ढह गया तो अभय की शक्ति फीकी पड़ गई और 847 में, बेनेडिक्तिन भिक्षुओं को बेदखल कर दिया गया।

9वीं शताब्दी में बेनेडिक्तिन भिक्षुओं को निष्कासित किए जाने से पहले, एक्टर्नच एबे फ्रैंकिश साम्राज्य में सबसे महत्वपूर्ण मठवासी पांडुलिपि लेखन स्थलों में से एक था - इसने ऑग्सबर्ग सुसमाचार, मासेक सुसमाचार, ट्रायर सुसमाचार और फ्रीबर्ग सुसमाचार का उत्पादन किया।

971 में, राजा ओटो द ग्रेट ने बेनेडिक्टिन्स को एक्टर्नच में बहाल कर दिया और मठ ने दूसरे स्वर्ण युग में प्रवेश किया, क्योंकि यह एक बार फिर उत्तरी यूरोप के सबसे प्रभावशाली मठों में से एक बन गया।

1031 में, एक नया रोमनस्क चर्च पवित्रा किया गया। यह उस बेसिलिका के समान आकार का था जिसे हम आज देखते हैं।

13वीं शताब्दी के दौरान, आंतरिक भाग में गॉथिक अलंकरण जोड़े गए और 17वीं शताब्दी में, विभिन्न चैपल जोड़े गए।

1794 में, फ्रांसीसी सैनिकों ने चर्च को लूट लिया और अपवित्र कर दिया और 1797 में इसे नीलाम कर दिया गया और इसे मिट्टी के बर्तनों के कारखाने के रूप में और 19वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में एक सैन्य ड्रिल यार्ड के रूप में इस्तेमाल किया गया।

1850 तक चर्च खंडहर हो चुका था।

1862 में, चर्च के पुनर्निर्माण के लिए एक एसोसिएशन की स्थापना की गई और नव-रोमन शैली में पुनर्निर्माण 1868 में पूरा हुआ, और मठ को फिर से प्रतिष्ठित किया गया।

1939 में द्वितीय विश्व युद्ध की पूर्व संध्या पर, पोप पायस XII ने सेंट विलिब्रोर्ड की तीर्थयात्रा के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में इसके महत्व को मान्यता देते हुए अभय को लघु बेसिलिका का दर्जा दिया।

1944 में, बेसिलिका के कुछ हिस्सों को नष्ट कर दिया गया था और युद्ध के बाद मूल रोमन शैली में पुनर्निर्माण किया गया था ताकि वह इमारत दी जा सके जो आज हम देखते हैं। 1953 में इस इमारत का पुनर्निर्माण किया गया।

जब आप बेसिलिका का दौरा करते हैं, तो सना हुआ ग्लास खिड़कियों को देखें - वे सेंट विलिब्रोर्ड के जीवन को चित्रित करते हैं और गाना बजानेवालों की खिड़की में, वह पवित्र ट्रिनिटी की छवि के नीचे प्रेरित पीटर और पॉल के बीच खड़े हैं। ऊपरी खिड़कियाँ उन लोगों को दिखाती हैं जिन्होंने विलिब्रोर्ड के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अंग के ऊपर गुलाबी खिड़की को राशि चक्र के चिन्हों से सजाया गया है।
बेसिलिका के नीचे विलिब्रोर्ड के मकबरे वाला तहखाना है, जो कैरारा संगमरमर से बना है। ग्यारहवीं सदी के भित्तिचित्र छत पर वर्जिन मैरी के जीवन के दृश्य दर्शाते हैं।

प्रवेश नि:शुल्क है और मठ आमतौर पर सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक, रविवार को दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है।







4.4.4 क्रॉइक्स डी जस्टिस / कॉलम ऑफ जस्टिस (उर्टसेल)

(नक्शा, समीक्षा)

न्याय स्तंभ न्याय का पूर्व महल (डेन्जेल्ट) के नजदीक मार्केट स्क्वायर में स्थित है। इसे संभवतः 1236 में बनाया गया था, जब लक्ज़मबर्ग की काउंटेस एर्मेसिंडे ने एक्टर्नच शहर को अपनी स्वतंत्रता का पत्र दिया था। न्याय का पूर्व महल (डेन्जेल्ट) के निर्माण के बाद, यहां से निर्णय घोषित करने के लिए कॉलम का उपयोग किया गया था। इसने इसे उर्त्सेल (जजमेंट कॉलम) उपनाम दिया।

18वीं सदी के अंत में, यह स्मारक एक्टर्नच एबे की बढ़ती प्रतिस्पर्धी शक्ति का प्रतीक बन गया था और 1774 में, एक्टेरनैच के नागरिक इसे जस्टिटिया और पैक्स की मूर्तियों और एक फव्वारे से बदलना चाहते थे। 1794 तक कुछ नहीं हुआ, जब फ्रांसीसी क्रांतिकारी सैनिकों ने एक्टर्नच पर कब्ज़ा कर लिया। यह स्पष्ट नहीं है कि स्थानीय लोगों या फ्रांसीसी सैनिकों या दोनों ने इसे ध्वस्त कर दिया।

क्रूस के स्थान पर 'गीत और संगीत के बीच' एक स्वतंत्रता वृक्ष खड़ा किया गया था। 1798 में, एक नया स्वतंत्रता वृक्ष लगाया गया था।

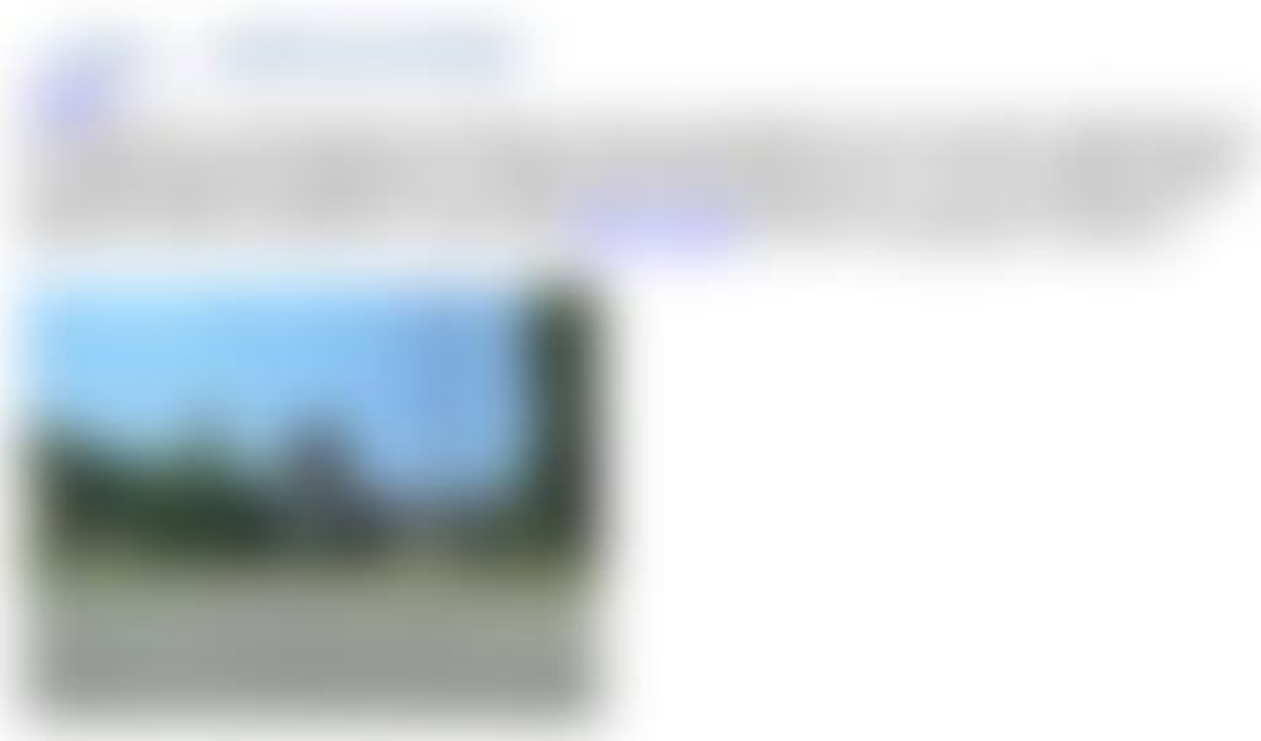
1897 में, जिस वास्तुकार ने पैलेस ऑफ जस्टिस (डेन्जेल्ट) का जीर्णोद्धार किया था, उसने न्याय के पुराने स्तंभ को फिर से बनाने का प्रस्ताव रखा, क्योंकि मूल चित्र अभी भी मौजूद थे। यह प्रस्ताव बहुत विवादास्पद था और फिर भी कुछ नहीं हुआ।

1920 में, एक्टर्नच के एक बगीचे में ज्यूडिशियल क्रॉस के अवशेष पाए गए और मई 1929 में, एक्टर्नच ब्यूटीफिकेशन एसोसिएशन ने नगरपालिका परिषद से उर्टसेल को उसके पुराने स्वरूप में फिर से बनाने के लिए कहा। 1938 तक नगरपालिका परिषद मार्केट स्क्वायर में एक अलग स्थान पर न्यायिक क्रॉस के पुनर्निर्माण के लिए सहमत हो गई। पुनर्निर्माण कार्य 1939 में समाप्त हुआ।

यह स्मारक द्वितीय विश्व युद्ध की लड़ाइयों में केवल कुछ खरोंचों के साथ बच गया, लेकिन 1945 में अमेरिकी सेना की गतिविधियों के कारण इसे हटा दिया गया। इसे 1955 में एबे के पास दोबारा बनाया गया था।

1979 में, एक्टर्नच नगरपालिका परिषद ने ज्यूडिशियल क्रॉस की प्रतिकृति को मार्केट स्क्वायर पर उसके मूल स्थान पर स्थानांतरित करने की योजना को मंजूरी दे दी। यह 1982 में किया गया था और 1983 में, लक्ज़मबर्ग पोस्ट ने एक्टर्नच न्यायिक क्रॉस के साथ एक टिकट जारी किया था।







A horizontal grey bar containing faint, illegible text.



NUMO लेक एक्टर्नैच ([नक्शा](#), [समीक्षा](#), [वेबसाइट 1](#), [वेबसाइट 2](#))

एक्टर्नैच के आसपास के क्षेत्र को मुलरथल कहा जाता है। इसके खूबसूरत दृश्यों और असंख्य लंबी पैदल यात्रा ट्रेल्स के कारण इसे कभी-कभी 'लक्ज़मबर्ग का छोटा स्विट्जरलैंड' भी कहा जाता है।

एक्टर्नैच झील की यात्रा के बिना एक्टर्नैच की कोई भी यात्रा पूरी नहीं होती है। 74 एकड़ (20 हेक्टेयर) की कृत्रिम झील स्थानीय लोगों, खासकर गर्मियों में, और पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है। वहां आप लंबी पैदल यात्रा कर सकते हैं, बाइक चला सकते हैं, बीच वॉलीबॉल खेल सकते हैं, धूप सेंक सकते हैं, बारबेक्यू कर सकते हैं, एक छोटे, निर्दिष्ट तैराकी क्षेत्र में तैर सकते हैं (मई से सितंबर तक), कश्ती, पैडल बोट, या मछली (परमिट के साथ)। यहां बच्चों के लिए कई खेल के मैदान और कुछ रेस्तरां भी हैं। यदि आप झील के पास एक या अधिक रातें बिताना चाहते हैं तो झील के ठीक बगल में एक छात्रावास है।

वहाँ 2.1-मील (3.4 किमी) का एक आसान व्हीलचेयर पहुंच योग्य मार्ग है जो झील के चारों ओर जाता है और कई कच्चे पैदल मार्ग हैं जो आपको मुलरथल तक ले जाते हैं।

लेक एक्टर्नैच तक जाने के लिए, झील के पास पार्किंग स्थल ([नक्शा](#)) पर पार्क करें और फिर झील तक कुछ फीट पैदल चलें।





Figure 1: Aerial view of the dam structure.



5. समापन टिप्पणियाँ

बैकपैक और स्नोर्कल से रूडी के बारे में

मेरा जन्म जर्मनी में हुआ था और मैं 2003 में अमेरिका चला गया था। मेरी पत्नी और मैं वास्तव में एक बहुराष्ट्रीय युगल हैं: मैं, अपनी जर्मन पृष्ठभूमि के साथ, और वह अपनी चीनी विरासत के साथ। हम दोनों अमेरिका में रहते हैं।

अफसोस की बात है कि अमेरिका में काम करने का मतलब है कि हमारे पास अन्य देशों की तुलना में बहुत कम छुट्टियां हैं। जर्मनी और इस प्रकार हम बहुत बार यात्रा नहीं कर सकते।

बहुत सारे परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से, हमने अपनी आदर्श यात्रा और अवकाश शैली ढूंढ ली है। महत्वपूर्ण स्थलों पर ध्यान केंद्रित करके यादगार पल बनाना, स्थानीय लोगों से मिलने के लिए समय की योजना बनाना और निश्चित रूप से आराम के लिए समय की योजना बनाना हमारी प्राथमिकताएं हैं।

हमने स्थानीय खाद्य पदार्थों की सराहना करना और यथासंभव अधिक से अधिक स्थानीय व्यंजन खाने का प्रयास करना भी सीखा है। केवल मनोरंजन के लिए, हम जिस भी देश में जाते हैं वहां एक चीनी रेस्तरां में खाना खाने का प्रयास करते हैं। यह बिल्कुल आश्चर्यजनक है कि पूरे ग्रह पर चीनी भोजन कितना अलग है।



यादगार पल बना रहा हूँ

आप अपनी छुट्टियों के दौरान 10,000 तस्वीरें ले सकते हैं, एक आकर्षण से दूसरे आकर्षण की ओर दौड़ सकते हैं, लेकिन जो बात आप अपने दिल में याद रखेंगे वह यह है कि आप कैसे यादगार पल बना रहे थे।

मेरे लिए, वह उदाहरण था कैन्यन डे चेली में स्पाइडर रॉक (क्या आपने कभी इस अमेरिकी राष्ट्रीय उद्यान के बारे में सुना है?)। जब मैंने पहली बार इसे देखा, तो मैं इस राजसी प्राकृतिक ओबिलिस्क और जिस खूबसूरत घाटी में स्थित है, उसे देखकर दंग रह गया। मैं वहां दो बार और जा चुका हूँ और अब भी वैसा ही महसूस करता हूँ।

या कैनकन, मैक्सिको के बाहर एक छोटे से द्वीप, इस्ला मुजेरेस के बारे में सोचें। सतह पर, प्लायानो मैक्सिको का सबसे खूबसूरत समुद्र तट माना जाता है, और यहां हमेशा भीड़ रहती है और वहां लंगर डालने वाली नावें तेज संगीत बजाती हैं।

सतह के नीचे, इस्ला मुजेरेस बहुत आरामदायक है, काफी चलने योग्य है और इसमें मित्रवत स्थानीय लोग, अच्छा प्रामाणिक मेक्सिकन भोजन और अच्छा अंतरराष्ट्रीय व्यंजन हैं और यह अक्सर बहुत किफायती है।

इस्ला मुजेरेस हमारा निजी स्वर्ग है!



अपना बैगपैक और स्नोर्कल पैक करें और चलें

हमारी यात्रा शैली पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुई है। इन दिनों जब हम यात्रा करते हैं तो हम सामान पैक कर रहे होते हैं और आम तौर पर प्रति व्यक्ति केवल एक छोटे बैगपैक की आवश्यकता होती है - [मेरायात्रा प्रकाशमार्गदर्शक](#) देखें।

इस गाइड के साथ, मैं आपको मूल्य प्रदान करना चाहता हूं और यादगार पल बनाने के लक्ष्य के साथ अपनी आरामदायक छुट्टियों की योजना बनाने में आपकी मदद करना चाहता हूं!

यदि आपका कोई प्रश्न या टिप्पणी हो तो कृपया मुझसे संपर्क करें।